देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 296 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
समानता का अधिकार

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 7 मार्च 2025

मौसम अधिकतम 25.0° न्यूनतम 12.0°

82924.41

2 पाकिस्तान ने पीओके चुराया है

7 शमी के एनर्जी ड्रिंक पीने से बवाल

ये दशक उत्तराखंड का बन रहाः पीएम

प्रधानमंत्री ने मुखवा से दिया शीतकालीन यात्रा का जोरदार संदेश

संवाददाता

देहरादून। गुरुवार को हर्षिल में जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले बीते दिनों माणा में हुए हिमस्खलन में दिवंगत लोगों के प्रति दुख व्यक्त किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की यह भूमि, आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत है।

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड से अपना आत्मीय लगाव, व्यक्त करते हुए कहा कि वो जीवनदायिनी मां गंगा के शीतकालीन गद्दी स्थल पर अपने परिवारजनों के बीच पहुंचकर धन्य महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बोले कि मां गंगा की कृपा से ही उन्हें दशकों तक उत्तराखंड की सेवा का सौभाग्य मिला। मां गंगा के आशीर्वाद से ही वो काशी पहुंच सांसद के रूप में काशी की सेवा कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने कहा था कि मां गंगा ने ही उन्हें काशी बुलाया है। प्रधानमंत्री ने दार्शनिक अंदाज में कहा कि उन्हें कुछ महीने पहले अनुभूति हुई कि जैसे मां गंगा ने उन्हें गोद ले लिया है, अब अपने बच्चे के प्रति मां गंगा का दुलार ही है कि वो आज खुद मुखवा गांव पहुंच पाए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि वो हर्षिल की धरती पर आकर, अपनी दीदी भुलियों को भी याद कर रहे हैं, क्योंकि वो उन्हें हर्षिल की राजमा और अन्य लोकल प्रॉडक्ट भी भेजती रहती हैं।

पीएम ने कहा कि कुछ साल पहले जब वो बाबा केदार के दर्शन के लिए आए थे तो बाबा के दर्शन के बाद उनके मुंह से अचानक ही भाव प्रकट हुआ कि ये दशक उत्तराखंड का होने जा रहा है। ये भाव भले ही उनके थे, लेकिन इसके पीछे सामर्थ देने की शक्ति बाबा केदार की थी। ये दशक अब उत्तराखंड का बन रहा है। उत्तराखंड की प्रगति के लिए, नए रास्ते खुल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने देशभर के लोगों खासकर युवाओं से सर्दियों में उत्तराखंड आने का आह्वाहन करते हुए कहा कि पहाड़ों में आप धूप का आनंद ले सकते हैं। गढ़वाली में इसे 'घाम तापो पयर्टन' कहते हैं। प्रधानमंत्री ने देश के कॉरपोरेट से उत्तराखंड में विंटर टूरिज्म से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि कॉरपोरेट की मीटिंग, कांफ्रेंस, सेमिनार, एक्जीबिशन के लिए देवभूमि से अच्छी जगह नहीं हो सकती है।

डबल इंजन की सरकार मिलकर काम कर रही

प्रधानमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाने के लिए मिलकर काम कर रही है। राज्य में चारधाम, ऑल वेदर रोड आधुनिक एक्सप्रेस वे से लेकर रेलवे और हेली सेवाओं का विस्तार हो रहा है। एक दिन पहले ही केंद्र सरकार ने केदारनाथ और हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे को मंजूरी प्रदान की है। केदारनाथ रोपवे के जरिए आठ से नौ घंटे की पैदल यात्रा 30 मिनट में पूरी हो जाएगी। इससे बुजुर्ग, महिलाओं और बच्चों की यात्रा सुगम हो सकेगी।

कंटेंट क्रिएटर निभाएं भूमिका

प्रधानमंत्री ने हर्षिल में विंटर टूरिज्म पर लगाई गई, प्रदर्शनी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका मन कर रहा था के वो पचास साल पुराने दिनों में लौटकर इन सभी जगहों पर कुछ दिन बिता सकूं। पीएम ने कहा कि हमें उत्तराखंड के विंटर टूरिज्म की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए कंटेंट क्रिएटर की मदद लेनी चाहिए, इसके लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की जा सकती है। धार्मिक यात्रा के लिए भी उत्तराखंड में सर्दियों का समय बेहद खास होता है। मुखवा गांव में ही जो अनुष्ठान किया जाता है, वो हमारी प्राचीन परंपरा का हिस्सा है। इससे यहां साल भर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने गंगा मैया की जय नारे के साथ अपने संबोधन का समापन किया।

संक्षिप्त समाचार

होली के रंग से भ्रष्ट हो जाएगा धर्म तो घर से मत निकलो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज संभल। संभल में होली और रमजान के मद्देनजर कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन अलर्ट है। पीस कमेटी की मीटिंग में सीओ अनुज चौधरी ने भी सख्त चेतावनी दी है। सीओ अनुज चौधरी ने कहा कि होली पर रंग से जिसे ऐतराज है वह घर से न निकले। जुमा साल में 52 बार आता है। जबकि होली सिर्फ एक बार आता है। संभल में सौहार्दपूर्ण माहौल और शांति से होली और रमजान मनाने के लिए पीस कमेट की मीटिंग हुई।

औरंगजेब की कब्र को अरब सागर में डाल दिया जाए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। औरंगजेब को लेकर जारी बहस के बीच अब हिंदू सेना ने गृह मंत्रालय से मांग की है कि मुगल शासक को क्रूर घोषित किया जाए। इसके साथ ही औरंगजेब की कब्र को खोदकर अरब सागर में बहा दिया जाए। विष्णु गुप्ता ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक लेटर लिखकर तीन मांगें रखी हैं।

दून में राष्ट्रपति आशियाना परिसर में विश्व स्तरीय सार्वजनिक पार्क बनेगा

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू 20 जून को रखेंगी आधारशिला

संवाददाता

देहरादून। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू 20 जून को राजपुर रोड स्थित ऐतिहासिक राष्ट्रपति आशियाना परिसर की 132 एकड़ भूमि में अत्याधुनिक सार्वजनिक पार्क की आधारशिला रखेंगी। राष्ट्रपति के अतिरिक्त सचिव डॉ. राकेश गुप्ता की अध्यक्षता में उत्तराखंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गुरूवार को राजपुर रोड स्थित राष्ट्रपति आशियाना में हुई उच्च स्तरीय बैठक में यह जानकारी साझा की गई। इस पार्क की डी.पी.आर. तैयार की जा रही है। पार्क का पूर्ण विकास होने के बाद माननीय राष्ट्रपति द्वारा 2026 में यह पार्क उत्तराखंड की जनता को समर्पित किया जाएगा।

अतिरिक्त सचिव डॉ. राकेश गुप्ता ने बताया कि उत्तराखण्ड की जनता के लिए खोला जाने वाला यह पार्क एक ऐतिहासिक परियोजना के रूप में काम करेगा, जिसमें विश्व स्तरीय सुविधाएँ, नवीन डिजाइन, टिकाऊ विशेषताएँ होंगी और यह हरियाली, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक केंद्र के रूप में काम करेगा। यह पहल उत्तराखंड के लोगों के साथ नागरिकों के जुड़ाव को बढ़ाने के माननीय राष्ट्रपति के दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि ये पहल भागीदारी पूर्ण शासन और समुदाय-संचालित विकास के प्रति राष्ट्रपति की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

राष्ट्रपति के अतिरिक्त सचिव डा. राकेश गुप्ता ने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों से अपेक्षा की कि पार्क की अवस्थापना सुविधाओं के विकास के साथ सड़क, बिजली, पानी, यातायात, पार्किंग, संचार, सुरक्षा, शान्ति व्यवस्था आदि से संबंधित व्यवस्थायें समय पर पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने बैठक में सभी अधिकारियों से पार्क के विकास तथा इसे और अधिक जनोपयोगी बनाये जाने के लिये अपने सुझाव भी देने को कहा।

20 जून को ही राष्ट्रपति आशियाना आमजन के लिये खुलेगा

सचिव डॉ. राकेश गुप्ता द्वारा देहरादून में 21 एकड़ के राष्ट्रपति भवन राष्ट्रपति आशियाना की प्रगति की भी समीक्षा की, जिसे इस साल 20 जून को राष्ट्रपति द्वारा जनता के लिए खोला जाएगा। उन्होंने बताया कि इस विशाल हरित क्षेत्र में अनेक आकर्षण युक्त सुविधाएं शामिल होंगी।

बचपन में पढ़े नहीं, क्रिकेट में पानी ही ढोते रह गए बेचारे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पटना। नेता प्रतिपक्ष ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर जमकर हमला बोला थाा। उस वक्त सीएम नीतीश कुमार ने उनके सवालों का जवाब दिया था। अब बजट पर चर्चा करते वक्त उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तेजस्वी यादव और उनके परिवार पर जमकर हमला बोला है। सम्राट चौधरी ने कहा कि कुछ लोग गलतफहमी फैलाने में लगे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने इसी सदन में भ्रम फैलाया।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह नहीं बताया कि इनके पिताजी ने क्या क्या किया। 2001 में छह हजार रुपये प्रति व्यक्ति आय थी। आज नीतीश कुमार जी नेतृत्व में 66 हजार रुपये प्रति व्यक्ति हो गई। 11 गुना अधिक आय हो चुका है। लालू जी के राज में 1990 से 2005 तक अगर काम होता तो आज सीएम नीतीश कुमार को काम नहीं करना पड़ता। 15 साल तक कोई काम ही नहीं हुआ। केवल नाच, गान और लौंड नाच होता था। कोई विकास की बात ही नहीं थी। बिहार के विकास की चर्चा तक नहीं हो रही थी। बचपन में पढ़े नहीं और क्रिकेट खेलते वक्त तो पानी ही ढोते रह गए बेचारे। खेलने का भी मौका नहीं मिला।

कैग रिपोर्ट

■नेता प्रतिपक्ष पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का तंज

समर्थन नहीं होता तो लालू मुख्यमंत्री नहीं बनते

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि यह लोग सिर्फ भ्रम फैलाने वाले लोग हैं। प्राथमिक विद्यालय में ड्रॉप रेट छह से 26 प्रतिशत है। लालू जी के राज में 60 प्रतिशत था। यह लोग कभी विकास की बात ही नहीं करते थे। अगर भाजपा और सीएम नीतीश कुमार का समर्थन नहीं होता तो लालू यादव मुख्यमंत्री नहीं बनते। लेकिन, मुख्यमंत्री बनते ही वह बदल गए।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

तुरंत एक्शन, निंदा और मंजूर नहीं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■जयशंकर की सुरक्षा में चूक पर यूके ने दी सफाई

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर की लंदन यात्रा के दौरान सुरक्षा में चूक का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अब यूनाइटेड किंगडम के विदेश मंत्रालय ने भी इसकी निंदा की है। ब्रिटेन ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई की है।

दरअसल बुधवार को रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स के मुख्यालय चौथम हाउस में एक संवाद सेशन के बाद जब जयशंकर बाहर आ रहे थे, तब खालिस्तानी समर्थकों ने पुलिस की बैरिकेडिंग को तोड़ने का प्रयास किया और भारत विरोधी नारे लगाए।

बता दें कि भारत ने विदेश मंत्री की सुरक्षा में चूक पर कड़ी आपत्ति जाहिर की थी। भारत ने कहा था कि वह उम्मीद करता है कि मेजबान सरकार ऐसे मामलों में अपने राजनयिक दायित्वों का पूरी तरह से पालन करेगी।

यूके विदेश मंत्रालय ने कहा कि मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने घटना पेर तुरंत एक्शन लिया और वह घटना की कड़ी निंदा करता है। सोशल मीडिया पर नारेबाजी करते हुए खालिस्तानी प्रदर्शनकारियों का वीडियो काफी वायरल है।

न्यूज डायरी

अमेरिका में मिली तेलंगाना के छात्र प्रवीण की लाश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका में भारत के 26 वर्षीय छात्र प्रवीण की गोली लगने से मौत हो गई है। तेलंगाना के रहने वाले प्रवीण विस्कॉन्सिन के मिल्वौकी में एमएस की पढ़ाई कर रहे थे। भारत में उनके परिवार को अमेरिकी अधिकारियों की ओर से उस हादसे की सूचना दी गई है। परिवार को मौत का कारण नहीं दिया गया है। प्रवीण के दोस्तों के अनुसार उनके शरीर पर गोली के निशान हैं। दावा है कि लूट की कोशिश के दौरान प्रवीण की गोली मारकर हत्या की गई है। प्रवीण तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले के रहने वाले थे। हैदराबाद से बीटेक करने के बाद वह 2023 में अमेरिका गए थे। वह मिल्वौकी, विस्कॉन्सिन में एमएस की पढ़ाई कर रहे थे। पिछले साल दिसंबर में ही वह अपने परिवार से मिलने भारत आए थे। इसके बाद जनवरी 2025 में वापस अमेरिका लौट गए थे। अब उनकी मौत की बात सामने आई है। इस घटना से परिवार सदमे में हैं। प्रवीण के चचेरे भाई अरुण ने बताया कि अमेरिकी अधिकारियों ने परिवार को बताया कि प्रवीण का शव मिला है। उनके दोस्तों ने बताया कि उनके शरीर पर गोली लगी थी। अज्ञात हमलावरों के प्रवीण की गोली मारकर हत्या करने की बात सामने आई है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत का सही कारण पता चल पाएगा। हाल के दिनों में अमेरिका में तेलंगाना के छात्रों की मौत की यह तीसरी घटना है।

फ्रांस बनाने जा रहा राफेल फाइटर जेट का नया अवतार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। भारतीय वायुसेना के खरीदने के बाद राफेल फाइटर जेट के दिन बदल गये। कई देशों की वायुसेना उसके बाद से राफेल खरीद चुकी है। जिनमें संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल है, जिसने फ्रांस के साथ राफेल फाइटर जेट खरीदने का सौदा किया है। वहीं ताजा रिपोर्ट के मुताबिक राफेल बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन, राफेल फाइटर जेट का नेक्स्ट वैरिएंट जल्द ही बनाने वाली है, जो और भी ज्यादा ताकतवर, विध्वंशक, खतरनाक और खूंखार होगा। फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी के मुख्य अधिकारी एरिक ट्रैपियर के मुताबिक डसॉल्ट एविएशन का प्लान एफ5–स्टैंडर्ड राफेल लड़ाकू विमान बनाना है। इसमें ज्यादा शक्तिशाली इंजन, और बेहतरीन उत्तरजीविता और डेटा लिंक होंगे। उन्होंने खुलासा किया है कि इसके अलावा नये स्टैंडर्ड राफेल में इन खासियतों के साथ साथ 10 टन से ज्यादा वजन वाला एक मानव रहित लड़ाकू हवाई वाहन भी शामिल होगा। एरिक ट्रैपियर के मुताबिक नया राफेल फाइटर जेट स्टेल्थी यूसीएवी न्यूरॉन के आकार का दोगुना होगा, जो पिछले दशक में कंपनी और भागीदारों की तरफ से विकसित एक मानव रहित स्ट्राइकर विमान था। पांच मार्च को पेरिस में फ्लाइटग्लोबल से बात करते हुए एरिक ट्रैपियर ने कहा कि उन्हें आने वाले महीनों में फ्रांसीसी सरकार से एफ5 राफेल के डेवलपमेंट के लिए कॉन्ट्रैक्ट मिलने की उम्मीद है। उन्होंने संभावना जताई है कि साल 2030 तक राफेल–5 बनकर तैयार हो जाएगा।

ब्रिटेन में न्यूजीलैंड के राजदूत फिल गोफ की कुछ ही घंटे में चल गई कुर्सी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन में न्यूजीलैंड के राजदूत फिल गोफ को पद से बर्खास्त कर दिया गया है। उन्होंने लंदन में बुधवार को एक पैनल चर्चा के दौरान द्वितीय विश्व युद्ध के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की समझ पर सवाल उठाए थे। गोफ की टिप्पणी के बाद न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने उनकी स्थिति को अस्थिर बताते हुए उनको वापस बुलाने की बात कही है। गोफ ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। गोफ न्यूजीलैंड के सीनियर राजनियक हैं। गोफ विदेश मंत्री और ऑकलैंड के मेयर भी रह चुके हैं।

ब्रिटेन में उच्चायुक्त फिल गॉफ ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को समाप्त करने के ट्रंप के प्रयासों की तुलना 1938 के म्यूनिख समझौते से की, जिसने एडॉल्फ हिटलर को चेकोस्लोवाकिया पर कब्जा करने का रास्ता साफ किया। गॉफ ने याद किया कि कैसे सर विंस्टन चर्चिल ने समझौते की आलोचना की थी। इसके बाद उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ओवल ऑफिस में चर्चिल की प्रतिमा को फिर से लगाया है।

पाकिस्तान ने पीओके चुराया है अब उसकी वापसी का इंतजार

रिपोर्ट

कश्मीर मसले के सवाल पर विदेश मंत्री जयशंकर ने दिया जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। विदेश मंत्री एस जयशंकर छह दिवसीय ब्रिटेन–आयरलैंड की यात्रा पर हैं। ब्रिटेन पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर ने चौथलम हाउस में एक थिंक टैंक के कार्यक्रम में उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर बड़ी बेबाकी से अपनी बात रखी। दरअसल, कश्मीर को लेकर निसार नामक एक पाकिस्तानी पत्रकार ने विदेश मंत्री से एक सवाल पूछा। सवाल का जवाब सुनकर पाकिस्तानी पत्रकार की बोलती बंद हो गई।

विदेश मंत्री जयशंकर के जवाब का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। पाकिस्तानी पत्रकार ने पूछा कि कश्मीर का मसला सुलझ क्यों नहीं रहा है। भारत ने कश्मीर पर अवैध रूप से कब्जा जमा रखा है। डोनाल्ड ट्रंप के साथ पीएम मोदी के दोस्ताना रिश्ते हैं। क्या इन रिश्तों का इस्तेमाल करके पीएम नरेंद्र मोदी कश्मीर की समस्या का हल निकाल सकते हैं। कश्मीर में 70 लाख लोग हैं, उन्हें नियंत्रित करने के लिए 10 लाख तैनात हैं।

पाकिस्तानी पत्रकार के इस सवाल पर विदेश मंत्री ने कहा,ष्हम कश्मीर की समस्या का समाधान निकाल चुके हैं। इस दिशा में हमने कदम भी उठाया है। पहला यह है कि आर्टिकल 370 हटाया जा चुका है। इसके अलावा दूसरा कदम ये है कि हमने आर्थिक ग्रोथ के लिए कदम उठाया है। इससे जम्मू कश्मीर में तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि तीसरा कदम सोशल जस्टिस का है।

विदेश मंत्री ने कहा कि कश्मीर में अब किसी भी तरह के सामाजिक अन्याय की जगह नहीं है। हमने कश्मीर के मुद्दे को पूरी तरह सुलझा लिया है। अब वही हिस्सा बचा है, जिसे पाकिस्तान ने अवैध कब्जे से ले रखा है। पाकिस्तान उस हिस्से को लौटा दे तो पूरे मसले का हल हो जाएगा। विदेश मंत्री का यह जवाब सुनकर हॉल में बैठे लोग काफी देर तक तालियां बजाते रहे।

वहीं, जब विदेश मंत्री से पूछा गया कि भारत चीन के साथ किस तरह का रिश्ता चाहता है? इस सवाल पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि हमारे बीच बहुत ही अनोखे रिश्ते हैं। हम दुनिया के दो ऐसे देश हैं जिनकी आबादी एक अरब से ज्यादा है। हम दोनों का इतिहास बहुत पुराना है, जिसमें समय के साथ उतार–चढ़ाव आए हैं।

ब्रिटेन के दौरे पर पहुंचे भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को खाली करने को लेकर दिए बयान पर पाकिस्ष्तान बौखला गया है। पाकिस्ष्तान के विदेश मंत्रालय ने जयशंकर के पीओके को लेकर दिए बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान जारी करके दावा किया कि भारतीय विदेश मंत्री का बयान जमीनी हकीकत को नहीं दिखाता है।

ट्रंप ने जेलेंस्की को अंधे कुएं में धकेला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज कीव। वोलोडिमीर जेलेंस्की से डोनाल्ड ट्रंप की तीखी बहस के बाद अमेरिका ने यूक्रेन को सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी देना बंद कर दिया है। सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) के निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने बताया है कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करना रोक दिया है। यह कदम यूक्रेन युद्ध पर शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता के बीच उठाया गया है। इससे रूस के साथ युद्ध में उलझे यूक्रेन पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

अमेरिका के इस कदम से यूरोप के देशों में भी चिंता है। रूस के खिलाफ युद्ध में अमेरिका ही बीते तीन साल से यूक्रेन का सबसे बड़ा मददगार रहा है। ऐसे में जेलेंस्की फिलहाल ऐसे मोड पर हैं, जहां से उनके लिए रास्ता तलाशना आसान नहीं है।

यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करना बंद करने के अमेरिका के फैसले ने कई लोगों को हैरत में डाला है। यहां तक कि अमेरिकी प्रतिनिधि जिम हिम्स ने अपने एक बयान में कहा कि व्लादिमीर पुतिन की आक्रामकता के खिलाफ यूक्रेन की मदद को रोक देना ठीक नहीं है। खुफिया जानकारी साझा करने में किसी भी तरह की रोक तुरंत खत्म होनी चाहिए।

दक्षिण कोरिया ने अपने ही देश में गिरा दिए 8 बम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। दक्षिण कोरिया में वायु सेना की गलती से बड़ी घटना घट गई। वायु सेना के एक प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान गुरुवार को फाइटर जेट से गलती से आठ बम गिर गए। इस घटना में 15 लोग घायल हो गए। वायु सेना ने इस हादसे की जानकारी दी। वायु सेना के अनुसार,यह घटना तब हुई जब केएफ–16 लड़ाकू विमान से आठ एमके–82 बम अनजाने में छूट गए। सभी बम निर्धारित फायरिंग रेंज से बाहर जा गिरे। गनीमत रही कि कुछ नागरिकों को ही चोटें आईं और कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। वायु सेना ने स्पष्ट किया कि यह एक मानवीय या तकनीकी गलती थी, जिसकी जांच शुरू कर दी गई है। वायु सेना के प्रवक्ता ने बयान जारी करते हुए कहा, ष्हमें इस घटना पर गहरा अफसोस है। हम प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना जताते हैं।

बंधकों को रिहा नहीं किया तो नरक में जाने को तैयार रहें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■ट्रंप ने हमास को दी अंतिम चेतावनी

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन गाजा में बंधक बनाए गए अमेरिकी नागरिकों को रिहा करने की संभावना पर उग्रवादी फलस्तीनी समूह हमास के साथ गुप्त वार्ता कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि बंधक मामलों के लिए अमेरिका के विशेष दूत एडम बोहलर ने हाल के सप्ताहों में कतर की राजधानी दोहा में हमास के साथ सीधी वार्ता की। इससे पहले अमेरिका ने इस इस्लामी समूह के साथ सीधे संपर्क से परहेज किया था।

जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास को इसका अनुपालन नहीं करने पर भुगतान करने के लिए नरक की चेतावनी दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास आतंकवादियों से गाजा में रखे गए सभी बंधकों को तुरंत रिहा करने के लिए कहा और अंतिम चेतावनी देते हुए कहा कि जल्द से जल्द बंधकों को छोड़ दिया जाए।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि यह आपको आखिरी चेतावनी है! नेतृत्व के लिए, अब गाजा छोड़ने का समय है, जबकि आपके पास अभी भी मौका है। साथ ही, गाजा के लोगों के लिए एक सुंदर भविष्य इंतजार कर रहा है, लेकिन तब नहीं जब आपने बंधक बना के रखा हो। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप मरेंगे। ट्रंप ने कहा कि अगर बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो भुगतने और नरक में जाने को तैयार रहें। हमास ने सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल में सीमा पार से हमला किया था, जिससे विनाशकारी गाजा युद्ध शुरू हो गया था। इस तरह की बातचीत अमेरिका की उस नीति के विपरीत है, जो लंबे समय से चली आ रही है कि वाशिंगटन द्वारा विदेशी आतंकवादी संगठनों के रूप में सूचीबद्ध समूहों के साथ सीधे संपर्क नहीं किया जाना चाहिए।

अमेरिकी विदेश विभाग ने 1997 में हमास को आतंकवादी संगठन घोषित किया था। गाजा संघर्ष में युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई के लिए समझौते में मदद करने में अमेरिका की पिछली भूमिका इजरायल और कतर और मिस्त्र के मध्यस्थों के साथ काम करना रही है, लेकिन वाशिंगटन और हमास के बीच कोई प्रत्यक्ष बातचीत नहीं है।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान की बड़ी साजिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। क्या पाकिस्तान ने चीन को नौसेना बेस और हवाई अड्डा बनाने के लिए 5 हजार एकड़ जमीन दे दिए हैं? ये दावा किया है पाकिस्तान के पूर्व सैन्य अधिकारी आदिल रजा ने। उन्होंने पाकिस्तानी खुफिया समुदाय के सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि दक्षिणी बलूचिस्तान में चीनी नौसेना और हवाई अड्डे की स्थापना के लिए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को 5,000 एकड़ से ज्यादा अनुमानित जमीन आवंटित किया गया है। ये काफी सनसनीखेज खुलासा है क्योंकि इससे सीधे भारत के ऊपर बड़ा खतरा बनता है। चीन पहले से ही ग्वादर में एक बंदरगाह बना चुका है, जो भारत की सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक है। लेकिन अगर वाकई पाकिस्तान ने चीन को जमीन दिया है, तो इसका मतलब है कि नया नौसैनिक बंदरगाह भारत को ध्यान में रखकर ही बनाया जाएगा।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

प्रधानमंत्री हमारे साथ सदैव खड़े रहे हैः मुख्यमंत्री धामी

स्वागत

सीएम ने मुखवा एवं हर्षिल घाटी आगमन पर प्रदेशवासियों की ओर से किया स्वागत

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का माँ गंगा के मायके मुखवा एवं सीमांत क्षेत्र हर्षिल घाटी आगमन पर सभी प्रदेशवासियों की ओर से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि उत्तराखंड के चहुँमुखी विकास के साथ ही यहाँ की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में हमें सदैव प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त होता रहा है।

उत्तराखंड में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के सफल आयोजन, विश्व स्तरीय जी–20 सम्मेलन की बैठकों का आयोजन, यूसीसी जैसा कानून लागू करना हो या फिर हाल ही में उत्तराखंड में आयोजित हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों का भव्य आयोजन हो, प्रधानमंत्री का राज्य को हमेशा मार्गदर्शन मिला। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पर जब भी कोई विपदा आयी है, चाहे केदारनाथ यात्रा मार्ग पर आई प्राकृतिक आपदा, जोशीमठ में भूधंसाव, सिलक्यारा टनल हो या फिर अभी हाल ही में चमोली में माणा गाँव के पास हुई हिमस्खलन की घटना हो। प्रधानमंत्री जी हमारे साथ सदैव खड़े रहे है।

मुख्यमंत्री ने 04 हजार 81 करोड़ रूपए की लागत से गौरीकुंड से केदारनाथ और 27 सौ 30 करोड़ रूपए से अधिक की लागत से गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक रोपवे निर्माण की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन दोनों रोपवे परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद तीर्थयात्रियों को आवगमन के लिए सुगमता होगी और प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा उत्तराखंड की आर्थिकी का एक प्रमुख आधार है। होटल व्यवसायियों से लेकर टैक्सी चालकों, स्थानीय दुकानदारों के साथ ही यात्रा से जुड़े हुए लाखों लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। शीतकाल में उत्तराखण्ड के चारों धामों के कपाट बंद होने के बाद इन सभी लोगों की आर्थिकी प्रभावित होती थी। जिसके दृष्टिगत प्रधानमंत्री जी से मार्गदर्शन प्राप्त कर इस वर्ष से राज्य में शीतकालीन यात्रा की शुरुआत की गई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन से न केवल शीतकालीन यात्रा को वृहद् स्तर पर बढ़ावा मिलेगा बल्कि सीमांत क्षेत्र में ट्रेकिंग और माउंटेन बाइकिंग के साथ–साथ दूसरी एडवेंचरस एक्टिविटीज को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही राज्य में दो बड़े धार्मिक आयोजन प्रस्तावित है। जिनमें नंदा राजजात यात्रा और कुंभ शामिल है। हमें विश्वास है कि पीएम के नेतृत्व में इन दोनों आयोजन का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे।

न्यूज डायरी

वीरोंदेवल में दिया जाएगा छह दिवसीय प्रशिक्षण

संवाददाता रुद्रप्रयाग। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा विकासखंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत वीरोंदेवल में उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत छह दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक केएस रावत ने बताया कि उद्यमिता विकास प्रशिक्षण के अंतर्गत 07 से 12 मार्च तक वीरोंदेवल गांव में छह दिवसीय जनरल ईडीपी प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने जनपद स्तरीय अधिकारियों से उक्त आयोजित हो रहे प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों का मार्गदर्शन करने की अपील की है।

प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा 10 मार्च को रुद्रप्रयाग दौरे पर

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जनपद के प्रभारी मंत्री श्री सौरभ बहुगुणा 10 मार्च 2025 को जनपद रुद्रप्रयाग के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह श्री केदारनाथ धाम यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। मुख्य विकास अधिकारी जी एस खाती ने बताया कि यह बैठक ब्लॉक सभागार, ऊखीमठ में अपराह्न 03:00 बजे आयोजित की जाएगी, जिसमें यात्रा प्रबंधन से जुड़े अधिकारी, प्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे। बैठक का उद्देश्य आगामी केदारनाथ यात्रा के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करना एवं इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श करना है। उन्होंने बताया कि प्रशासन की ओर से सभी संबंधित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों से बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव व विचार साझा करने की बात कही। यह बैठक यात्रा व्यवस्थाओं को और अधिक सुगम व प्रभावी बनाने के लिए एक अहम अवसर होगी।

अगस्त्यमुनि में 19, 20 एवं 21 मार्च को आएगी पासपोर्ट मोबाइल वैन

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जनपद रुद्रप्रयाग में पासपोर्ट सेवाओं को सुगम बनाने के उद्देश्य से पासपोर्ट मोबाइल वैन सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। विदेश मंत्रालय के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, देहरादून के निर्देशानुसार 19, 20 एवं 21 मार्च 2025 को अगस्त्यमुनि स्थित क्रीड़ा भवन मैदान में यह सेवा प्रदान की जाएगी। अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने बताया कि पूर्व में भी इस तरह का कैंप आयोजित किया गया था, जो सफल रहा। इसी को देखते हुए एक बार फिर मोबाइल वैन कैंप लगाया जा रहा है। इस कैंप के सफल संचालन हेतु जिला पर्यटन अधिकारी, रुद्रप्रयाग को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। आयोजन के दौरान नागरिकों को पासपोर्ट आवेदन, नवीनीकरण एवं अन्य संबंधित सेवाएं प्रदान की जाएंगी। प्रशासन ने क्षेत्रवासियों से इस सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की है।

नंदा देवी राजजात यात्रा की तैयारियों में जुटा जिला प्रशासन

संवाददाता चमोली। नंदा देवी राजजात यात्रा की तैयारियों को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तैयारी बैठक आयोजित की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने यात्रा मार्गों की स्थिति, पड़ावों पर तैयारी और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने यात्रा के सफल और सुगम आयोजन के लिए अधिकारियों को निर्माण कार्यों के साथ की जाने वाली तैयारियों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बैठक के दौरान नंदा देवी राजजात यात्रा को लेकर यात्रा पड़ावों पर पार्किंग, आवास, पेयजल और विद्युत सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं को दुरुस्त करने के लिए किए जाने वाले कार्यों को चिह्नित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि यात्रा तैयारियों को लेकर 25 उप समितियों का गठन करने के साथ ही 25 सहायक नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी गई। वहीं यात्रा मार्ग पर किए जाने वाले निर्माण कार्यों के लिए जन प्रतिनिधियों, समितियों और ग्रामीणों की ओर से 5 सौ प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

प्रस्तावों पर कार्रवाई और दोहराव न हो इसके लिए प्रस्तावों के परीक्षण करने के जिला पर्यटन अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने जिला पर्यटन अधिकारी को विधायकगणों व समितियों के साथ बैठक कर प्रस्तावों को लेकर चर्चा करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यात्रा के सड़क मार्ग वाले क्षेत्रों में पार्किंग स्थलों को चिंहित करने और नए पार्किंग स्थलों की आवश्यकता को लेकर रिर्पोट तैयार करने के निर्देश दिए। यात्रा जनपद के 6 विकासखंडों के 25 पड़ावों से होकर गुजरती है। यात्रा के सफल और सुचारु संचालन के लिए पड़ावों के साथ ही यात्रा मार्ग पर कार्य किए जाने है।

शीतकालीन गद्दी स्थल पर पूजा अर्चना कर पीएम ने निहारा भव्य हिमालय

संवाददाता देहरादून। अपने एक दिवसीय दौरे पर उत्तरकाशी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले मुखवा गांव में मां गंगा के शीतकालीन गदद्दी स्थल पर पूजा – अर्चना कर देशवासियों के लिए सुख–समृद्धि की कामना की। प्रधानमंत्री ने विधि – विधान से मां गंगा की पूजा कर भोग भी चढ़ाया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने रांसों नृत्य से प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने मुखवा गांव से ही भव्य हिमालय के दर्शन किए। प्रधानमंत्री काफी देर तक व्यू प्वाइंट से बर्फ से लकदक चोटियों के साथ ही हर्षिल घाटी से बहती भागीरथी नदी की सुंदरता को निहारते रहे। इसके बाद वो सड़क मार्ग से हर्षिल कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। जहां उन्होंने सबसे पहले उत्तराखंड में शीतकालीन यात्रा पर आधारित एक्जीबिशन का अवलोकन किया।

जनपद स्तरीय अधिकारी करेंगे विभिन्न गांवों का भ्रमण

संवाददाता

सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत मार्च का रोस्टर जारी

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत जनपद स्तरीय अधिकारी विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे। इस दौरान अधिकारी ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं का संबंधित विभागों से समन्वय करते हुए यथासंभव मौके पर ही निराकरण करेंगे। साथ ही उन्हें आवंटित ग्राम पंचायत का भौतिक स्थलीय निरीक्षण के साथ ही उस गांव में जल संरक्षण एवं जल संवर्द्धन से संबंधित कार्यों की निगरानी करना सुनिश्चित करेंगे। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा इस संबंध में माह मार्च हेतु रोस्टर जारी किया गया है।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने जानकारी देते हुए बताया कि माह मार्च हेतु निर्धारित रोस्टर के अनुसार जनपद के 45 विभिन्न विभागीय अधिकारी अलग–अलग गांव में जाकर ग्रामीणों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को सुनने के साथ ही प्राप्त शिकायतों का निस्तारण करेंगे। उन्होंने जनपद स्तरीय अधिकारियों को आवंटित ग्राम पंचायतों की जानकारी देते हुए बताया कि उप वन संरक्षक कल्याणी विकास खंड जखोली की ग्राम पंचायत बांसिल में भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगी। इसी तरह अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा विकास खंड अगस्तयमुनि की ग्राम पंचायत रतूड़ा, जिला विकास अधिकारी अनीता पंवार ग्राम पंचायत कोठगी तथा परियोजना निदेशक विमल कुमार ग्राम पंचायत सन में ग्रामीणों के साथ चौपाल कर उनकी समस्याओं को सुनेंगे।

उन्होंने बताया कि मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र कुमार बिष्ट विकास खंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत पाटा में जबकि उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष चंद्र घिल्डियाल पीड़ा गांव में, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत बष्टी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश निषणी गांव में भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। बताया कि भ्रमण के बाद संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी आयोजित की जाएगी।

परीक्षा केंद्र में 21 मार्च तक धारा–163 प्रभावी

संवाददाता रुद्रप्रयाग। पूर्व मध्यमा (हाईस्कूल) एवं उत्तर मध्यमा (इंटरमीडिएट) द्वितीय वर्ष की परिषदीय परीक्षाओं के दृष्टिगत सब डिवीजन रुद्रप्रयाग की सीमांतर्गत परीक्षा केंद्र में धारा–163 प्रभावी रहेगी। उप जिला मजिस्ट्रेट रुद्रप्रयाग ने जानकारी देते हुए बताया कि तहसील रुद्रप्रयाग के अंतर्गत पूर्व मध्यमा एवं उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष की परिषदीय परीक्षा केंद्र (108–स्वामी सच्चिदानंद संस्कृत महाविद्यालय) में आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि उक्त परीक्षा केंद्र में परिषदीय परीक्षा के संपन्न होने की तिथि 21 मार्च, 2025 तक धारा–163 प्रभावी रहेगी। इस अवधि में परीक्षा केंद्र के 100 गज की परिधि में पांच से उससे अधिक व्यक्तियों को एक साथ एकत्रित होने पर निषिद्ध किया गया है। साथ ही परीक्षा केंद्र के परिधि के अंदर सार्वजनिक सभा, जुलूस, जश्न के रूप में कोई उत्सव रैली आदि पूर्णरूप से प्रतिबंधित रहेगी।

तेज तरक्की की शर्त

केंद्र सरकार ने विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, उसके लिए देश की सालाना जीडीपी ग्रोथ 8–9 प्रतिशत होनी चाहिए। अभी इस लक्ष्य से देश काफी पीछे चल रहा है। आईएमएफ का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025 और अगले वित्त वर्ष यानी 2026 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रह सकती है।

राधा यादव।।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि भारत को मैक्रो–इकॉनमिक स्थिरता बनाए रखने के लिए कुछ ढांचागत सुधारों को लागू करना होगा। इन सुधारों से भारत 2047 तक विकसित बनने के सपने की ओर बढ़ पाएगा। आईएमएफ के सुझाव सही हैं और पहले भी एक्सपर्ट्स इस बात की ओर ध्यान दिला चुके हैं।

दरअसल, केंद्र सरकार ने विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, उसके लिए देश की सालाना जीडीपी ग्रोथ 8–9 प्रतिशत होनी चाहिए। अभी इस लक्ष्य से देश काफी पीछे चल रहा है। आईएमएफ का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025 और अगले वित्त वर्ष यानी 2026 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रह सकती है।

सरकार का अपना अनुमान इससे भी कम है। उसका मानना है कि वित्त वर्ष 2025 में ग्रोथ 6.4 प्रतिशत रह सकती है। इस साल की दूसरी तिमाही यानी जुलाई–सितंबर तिमाही में 5.4 प्रतिशत के साथ 8 वर्षों के निचले स्तर पर आ गई थी, जबकि अप्रैल–सितंबर यानी पहले 6 महीनों में ग्रोथ 6 प्रतिशत रही। जीडीपी ग्रोथ की तीसरी तिमाही के आंकड़े आए। इस तिमाही में ग्रोथ 6.2 प्रतिशत रही, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में ग्रोथ 8.6 प्रतिशत थी।

आईएमएफ की कंसल्टेशन रिपोर्ट में संस्था के बोर्ड ने देश की मैक्रो–इकॉनमिक नीतियों की सराहना की है। साथ ही, यह भी कहा है कि 2047 तक विकसित बनने के लक्ष्य के लिए कृषि, भूमि, श्रम और न्यायिक जैसे ढांचागत सुधार करने होंगे। हालांकि, कृषि सुधारों की कोशिश किसानों के विरोध की वजह से सरकार को वापस लेनी पड़ी थी। भूमि और न्यायिक सुधारों की कोशिश भी पहले फेल हो चुकी है। ये मुद्दे राजनीतिक तौर पर संवेदनशील हैं। इन्हें लेकर सरकार को कानून लाने से पहले आम सहमति बनानी चाहिए।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को टैरिफ दरों में और कमी करने की जरूरत है। इस सिलसिले में हालिया बजट में की गई पहल की सराहना करनी चाहिए, जिसमें कई चीजों पर कस्टम ड्यूटी में कमी की गई थी। दरअसल, जब तक घरेलू कंपनियां लागत और गुणवत्ता के मामले में अंतरराष्ट्रीय कंपनियों का मुकाबला नहीं कर पाएंगी, तब तक विदेशी बाजार में वे जगह नहीं बना पाएंगी। अगर उन्हें वैश्विक सप्लाई चेन का हिस्सा बनना है तो अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से मुकाबला करना ही होगा।

आईएमएफ की रिपोर्ट का लब्बोलुआब यही है कि अगर देश को तेजी से तरक्की करनी है तो अगले दौर के सुधारों की ओर कदम बढ़ाना होगा। रिपोर्ट में आयात घटाने के लिए घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने वाली पीएलआई स्कीम की तारीफ करते हुए कहा गया है कि इसे इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग जैसे कुछ क्षेत्रों में भले कामयाबी मिल जाए, लेकिन इससे बड़े पैमाने पर रोजगार बढ़ाने में सफलता नहीं मिलेगी।

शिवलिंग पूजन

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। पुण्य फल पारद निर्मित शिवलिंग की घर में विधि–विधान से स्थापना व दर्शन मात्र से श्रावण माह एवं शिवरात्रि में सहज रूप से प्राप्त हो जाता है। 'रसविधा, पराविधा, त्रैलोक्ये पिं च दुर्ल्लभया।' 'भूक्ति–मुक्ति करी यास्या तस्मात् यत्नेन गोपयेत अर्थात जो पुण्य हजार स्वनिर्मित पार्थिव शिवलिंग के पूजन से प्राप्त होता है उससे करोड़ों गुना फल पारद शिवलिंग के पूजन से प्राप्त होता है। रसविधा ही पारदविद्या कहलाती है। उड्डीश तंत्र भी यही कहता है कि पारद शिवलिंग भोग, मोक्ष, ऐश्वर्य का प्रदाता है। अतः मनुष्य को चाहिये कि श्रावण माह एवं महाशिवरात्रि पर पारद शिवलिंग स्थापित कर पूजन करे। 'रसेन्द्र पारदरू राज सूतरू सूतराज।' 'शिवतेजो रस षप्त नामन्येनं रहस्य नं अर्थात रसेन्द्र, पारद, सूत, सूतराज, सूतक, शिव तेजरस ये सात नाम पारद के है।

संपादकीय

बदलाव

शैक्षणिक संस्थानों में महिला सुरक्षा उपायों की स्थापना को निर्भया फंड (2013) द्वारा वित्त पोषित किया गया है। लिंग–संतुलित शिक्षण स्टाफ प्रारंभिक शिक्षा में स्त्रीकरण को कम करेगा और देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों को सामान्य बनाएगा। प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में, फिनलैंड और स्वीडन पुरुषों की भर्ती को आक्रामक रूप से प्रोत्साहित करते हैं। गुमनाम शिकायत निवारण प्रक्रियाएं स्थापित करें, सुनिश्चित करें कि आंतरिक शिकायत समितियां (आईसीसी) कार्यरत हों, तथा सभी विश्वविद्यालयों में कठोर उत्पीड़न–विरोधी नीतियां लागू करें। यूजीसी के 2023 निर्देश के अनुसार विश्वविद्यालयों में आईसीसी आवश्यक है। हालाँकि, अभी भी कार्यान्वयन में खामियाँ हैं, विशेष रूप से छोटे और ग्रामीण संस्थानों में। शिक्षा जगत में लैंगिक अंतर को कम करने के लिए मजबूत मार्गदर्शन कार्यक्रम, समावेशी नियुक्ति प्रथाएं, संस्थागत परिवर्तन और बहुआयामी रणनीति आवश्यक हैं। परिवार–अनुकूल कार्यस्थलों को बढ़ावा देना, पारदर्शी पदोन्नति की गारंटी देना, तथा भेदभाव–विरोधी कानूनों को मजबूत बनाना, उच्च शिक्षा में महिलाओं को सशक्त बनाने में सहायक हो सकता है। लिंग–संवेदनशील, योग्यता–आधारित नीतियों की ओर प्रतिमान बदलाव से प्रतिनिधित्व में सुधार होगा और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं।

समानता का अधिकार

प्रियंका सौरभ।।

महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20 प्रतिशत अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है। अकादमिक महिलाओं को प्रायः मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोध के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर से ब्रेक ले लेती हैं, जिससे उनके करियर में आगे बढ़ने और गुणवत्तापूर्ण शोध करने की क्षमता में बाधा आती है। नीति आयोग के अनुसार, भारत में महिला सदस्य बच्चे को जन्म देने के बाद लम्बे

समय तक अपने करियर से ब्रेक ले लेती हैं, जिससे उनके स्थायी आधार पर नियुक्त होने की संभावना कम हो जाती है।

यूडीआईएसई 2023–24 रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्कूल शिक्षकों में अब 53.34 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो शिक्षा में उनकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। उच्च शिक्षा में केवल 43 प्रतिशत संकाय महिलाएं हैं, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है। भारत के शिक्षण कार्यबल में महिलाओं के प्रतिशत में वृद्धि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और सामाजिक समानता में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। शिक्षणशास्त्र में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती दी जाती है, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, तथा महिला शिक्षकों द्वारा महिला विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की जाती है। छात्रों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, महिला शिक्षक कक्षा में अधिकाधिक भागीदारी और लिंग–संवेदनशील शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। यूनेस्को की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20 प्रतिशत अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है।

उच्च शिक्षा संकाय पदों में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानताएं महिला संकाय सदस्यों के कम प्रतिनिधित्व के कारण होती हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार, शिक्षण पदों पर पुरुषों की संख्या अधिक होने के बावजूद, उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43 प्रतिशत है। आईआईटी और एनआईटी में महिला संकाय का प्रतिनिधित्व अभी भी 20 प्रतिशत से कम है, जो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में लैंगिक असमानताओं को दर्शाता है।

अष्टयोग-5052

	6		1		3	4
2	33		34		30	
3	5	4		7		2
	36		32		23	6
7		5		3		
	36		34	4	31	
1		3		5		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5051 का हल

7	6	5	4	3	2	1
2	33	1	36	6	27	5
3	5	4	6	7	1	2
4	36	2	30	1	26	6
5	6	7	1	2	3	4
6	36	6	32	4	34	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

महिलाओं की भूमिका

मोहन। केंद्रित मार्गदर्शन और समर्थन नेटवर्क के मूल्य के प्रमाण के रूप में, अमेरिका का महिलाओं की संख्या विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं कार्यक्रम नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने में सहायक रहा है। कार्य–जीवन संतुलन को बढ़ावा देना, परिसर में बाल देखभाल सेवाएं प्रदान करना, सवेतन मातृत्व अवकाश बढ़ाना, तथा लचीले कार्यकाल पथ को लागू करना, महिला संकाय सदस्यों को मातृत्व के बाद एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार प्रदान करके उनके शोध करियर को जारी रखने में मदद करता है। महिलाओं की प्रशासनिक और शैक्षणिक दृश्यता में सुधार लाने के लिए विशिष्ट वित्तपोषण उपलब्ध कराना तथा उनके लिए नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम चलाना, भारत की महिला वैज्ञानिक योजना महिला शोधकर्ताओं को करियर ब्रेक के बाद वित्त पोषण प्रदान करके शिक्षा जगत में वापस लौटने में मदद करती है। उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43 प्रतिशत है, जो कक्षा के बाहर उनके प्रभाव को सीमित करता है। आईआईटी और आईआईएम में महिला शिक्षकों का प्रतिशत 20 प्रतिशत से भी कम है।

सिकंदर के गाने जोहरा जबीं ने रिलीज होते ही इंटरनेट पर गदर काटा

सलमान खान की मच अवेटेड फिल्म सिकंदर का धमाकेदार टीजर रिलीज करने के बाद मेकर्स अब इसका पहला गाना मेरी जोहरा जबीं रिलीज कर दिया गया है। यह गाना न सिर्फ देखने और सुनने में कमाल का है, बल्कि सलमान खान और रश्मिका मंदाना की जोड़ी भी जम रही है। गाना रिलीज होने के आधे घंटे के अंदर ही दो लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है, और फैंस के काफी कमेंट आ रहे हैं। जोहरा जबीं के बीट्स ऐसे हैं कि सुनते ही पैर थिरकने लगते हैं और नाचने का मन करता है। विजुअल्स भी शानदार हैं। जोहरा जबीं का म्यूजिक प्रीतम ने दिया है, जबकि इसे देव नेगी और नकाश अजीज ने गाया है। वहीं लिरिक्स, दानिश सबरी और समीर ने लिखे हैं। इस गाने में ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। गाने के म्यूजितक से लेकर सलमान के डांस और लुक की खूब तारीफ हो रही है। एक फैन ने लिखा है, श्ऑसम सॉन्ग, मां कसम रोंगटे खड़े हो गए गाना सुनके। यही चाहिए था हमें सलमान सर से, मजा आ गया।श एक और कमेंट है, अब तो स्पीकर के साथ बॉक्स ऑफिस भी फटेगा। एक फैन ने लिखा, बहुत जल्दी ये गाना ट्रेंडिंग में नंबर 1 होगा, क्योंकि गाना बहुत जबरदस्त है। एक कमेंट है, भाईजान ने धमाल मचा दिया, कोरियोग्राफी, डांस, वीडियो सब एकदम टॉप है। सिकंदर ईद के मौके पर 28 मार्च को थिएटर्स में रिलीज होगी। इसे एआर मुरुगदॉस ने डायरेक्ट किया है, जबकि साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूसर हैं।

करीना के भाई आदर जैन हनीमून पर मालदीव पहुंचे

करीना और करिश्मा कपूर के कजिन आदर जैन इस वक्त अपनी मैरिड लाइफ में व्यस्त हैं। हाल ही में 21 फरवरी 2025 को लेडी लव अलेखा आडवाणी संग शादी रचाने वाले आदर हनीमून पर मालदीव पहुंचे और वहां की खूबसूरत झलकियां उन्होंने फैन्स के साथ भी शेयर की हैं। हनीमून की इन खूबसूरत झलकियों में केवल आदर और आलेखा का रोमांस ही नहीं दिख रहा बल्कि मालदीव के कई दिलकश नजारे हैं। उन्होंने कई खूबसूरत मोमेंट की झलक सोशल मीडिया पर दिखाई है। इन तस्वीरों में समंदर से लेकर वहां के लजीज खाने की भी झलक है, जिसका लुत्फ वहां कपल ने खूब उठाया है। बता दें कि आदर जैन और आलेखा आडवाणी ने 21 फरवरी को मुंबई के ताज महल पैलेस में हिंदू रीति–रिवाज से शादी की। शादी में कपूर परिवार से लेकर तमाम बॉलीवुड हस्तियां नजर आईं। इस मौके पर पूरा कपूर परिवार एक साथ इकट्ठा हुआ और इनके अलावा फिल्मी दुनिया के तमाम दिग्गज सितारे भी यहां हाजिर हुए।

दीपिका चिखलिया को इमेज संग नहीं करना खिलवाड़

टीवी एक्ट्रेस दीपिका चिखलिया ने रामानंद सागर की रामायण में सीता का किरदार निभाया था। वो अपने फैंस के दिलों में बसती हैं। लोग आज भी उन्हें इसी किरदार से याद करते हैं। उनके साथ एक्टर अरुण गोविल थे, जिन्होंने भगवान राम का रोल निभाया था। वो जल्द ही रणबीर कपूर के साथ श्रामायणश फिल्म में एक अलग अवतार में नजर आने वाले हैं। अब इस पर दीपिका ने रिएक्ट करते हुए कहा कि उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। एक बार उन्हें सीरियल में कौशल्या का रोल ऑफर हुआ था। हालांकि, उनके भाई ने उनसे कहा, आप सीता के लिए जानी जाती हैं और आपको सीता के रूप में ही मरना चाहिए। इसीलिए वो किसी एपिक मूवी में किसी अन्य किरदार को निभाने में दिलचस्पी नहीं रखती हैं। उन्होंने कहा, मुझे साफ तौर पर समझ में आ गया है कि लोग मुझे सीता जी के तौर पर जानते हैं और सागर की रामायण जितनी फेमस कोई और चीज नहीं होगी। फिर मैं अपनी इमेज के साथ क्यों खिलवाड़ करूं? मैं सीता हूं। मैंने इसे स्वीकार कर लिया है। 35 सालों से मैंने सीता होने की जिम्मेदारी ली है, फिर मैं कुछ और बनने की कोशिश क्यों करूं? दीपिका समझती हैं कि स्क्रीन पर भगवान का किरदार निभाने से कोई असल जिंदगी में भगवान नहीं बन जाता।

ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन को साथ देख खुशी से झूमे फैंस

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन की जब पिछले साल तलाक की खबरें आई थीं, तो फैंस का दिल बुरी तरह दहल गया था। हालांकि, बाद में दोनों बेटी आराध्या के स्कूल फंक्शन में साथ नजर आए, तो फैंस की बांछें खिल उठी थीं। लगा कि दोनों के बीच सबकुछ ठीक है। अब हाल ही ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन एक साथ आशुतोष गोवारिकर के बेटे की शादी में पहुंचे, तो उन्हें हर कोई देखता रह गया। ऐश्वर्या और अभिषेक की साथ में कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हरिनाम दास संग बात करते दिखे दोनो

ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन वेडिंग वेन्यू पर इस्कॉन मंदिर के हरिनाम दास से मिले और उनसे बात करते दिखे। दोनों ने एक ही जैसे रंग के कपड़े पहने थे और काफी जंच रहे थे। जहां अभिषेक ने हाथ जोड़कर हरिनाम दास का अभिवादन किया, वहीं ऐश्वर्या साथ में खड़ी थीं। इन तस्वीरों को हरिनाम दास ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है।

हरिनाम दास से मिले अभिषेक और ऐश्वर्या

उन्होंने लिखा, वृंदावन धाम का आशीर्वाद दो खूबसूरत और विनम्र आत्माओं, अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय के साथ साझा करते हुए खुशी हो रही है। भगवान कृष्ण की कृपा हमेशा उन पर बनी रहे। साथ ही उन्हें श्री श्री राधा वृंदावन चंद्र जी का आशीर्वाद

लेने के लिए आने वाले विश्व के सबसे ऊंचे मंदिर वृंदावन चंद्रोदय मंदिर में आमंत्रित किया।

अभिषेक और ऐश्वर्या को साथ देख फैंस झूमे

इन तस्वीरों पर फैंस के काफी कमेंट आ रहे हैं। ऐश्वर्या और अभिषेक बच्चन को लंबे समय बाद यूं साथ देख फैंस खुशी से झूम उठे। एक फैन ने लिखा, आखिरकार बड़े लंबे समय बाद दोनों साथ दिखे। एक और फैन ने लिखा, ओह गॉड, मैंने कितना मिस किया। एक और कमेंट है, श्दिल खुश हो गया। वहीं कुछ फैंस ने ऐश्वर्या और अभिषेक की तस्वीरों पर हार्ट इमोजी बनाए।

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का हो गया था ब्रेकअप?

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का ब्रेकअप हो गया है। हालांकि, दोनों रिश्ते को अच्छे नोट पर खत्म करके अच्छे दोस्तों की तरह बने रहेंगे। कड़ी मेहनत कर रहे हैं और काम पर फोकस कर रहे हैं।

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा इंडस्ट्री के फेमस और प्यारे कपल में से एक थे। दोनों लंबे समय से डेटिंग की खबरों से घिरे हुए थे। बाद में इन्हें कई बार साथ भी देखा गया। बीच में इनते शादी की खबरें भी सामने आ रही थी कि ये प्लान कर रहे हैं कि कब करना है। लेकिन अब रिपोर्ट्स दावा कर रही हैं कि कुछ हफ्ते पहले ही दोनों अलग हो गए हैं।

अच्छे दोस्त बने रहेंगे

रिपोर्ट के मुताबिक, तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का ब्रेकअप हो गया है। दोनों एक–दूसरे के प्रति सम्मान और प्यार जताते दिखाई दिए हैं। लेकिन एक सोर्स के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया है, तमन्ना और विजय कपल के रूप में कुछ हफ्ते पहले ही अलग हो गए थे। लेकिन वो अच्छे दोस्त बने रहेंगे। दोनों अपने काम पर फोकस कर रहे हैं और कड़ी मेहनत भी कर रहे हैं।

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा का अफेयर

तमन्ना भाटिया हाल ही में प्रयागराज महाकुंभ से लेकर कुछ दूसरे धार्मिक स्थलों पर भी दर्शन करने के लिए गई थीं। इस दौरान वह अकेले नजर आई थीं। 2023 में लस्ट स्टोरीज 2 से ये साथ आए थे। इनका रिलेशनशिप शुरू हुआ था। और साथ में वो सीरीज इनका पहला प्रोजेक्ट था। शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में विजय ने कहा था कि रिश्ते में बंधन नहीं होना चाहिए। एक्ट्रेस भी इस बात से सहमत थीं।

विजय वर्मा और तमन्ना ने डिलीट नहीं की फोटो?

विजय वर्मा को आखिरी बार आईसी 814: द कंधार हाईजैक में देखआ गया था। इसके अलावा कुछ औ प्रोजेक्ट्स में वह लगे हुए हैं। वहीं, तमन्ना भाटिया भी कुछ फिल्मों में दिखाई देंगी। आखिरी बार उन्हें स्त्री 2 में देखा गया था। हालांकि इनके ब्रेकअप की खबरें कितनी सही हैं, ये तो कुछ दिन में पानी की तरह साफ हो जाएगा। फिलहाल दोनों ने इंस्टाग्राम से तस्वीरें नहीं हटाई हैं। लेकिन लंबे समय से शेयर भी नहीं की है।

हार्ट अटैक से रहना है दूर तो इन चीजों से कर लें तौबा

दिल के बिना शरीर काम नहीं कर सकता है। इसे हेल्दी रखना बहुत जरूरी है, लेकिन लोगों को जानकारी नहीं है कि इसे कैसे स्वस्थ रखें। डॉक्टर सौरभ ने कुछ चीजों के बारे में बताया है, जिन्हें दिल को हेल्दी रखने के लिए दूर करना महत्वपूर्ण है।

दिल का काम खून को शरीर के कोने–कोने तक फेंकना होता है। इसके साथ शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाता है, ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल रखता है। यह बेहद महत्वपूर्ण अंग है, जिसे हेल्दी रखना बहुत जरूरी है। मगर लोग ऐसा करते नहीं हैं और दिल का फंक्शन कमजोर होने लगता है।

दिल को कैसे हेल्दी रखें?
दिल की बीमारी के कारण सबसे ज्यादा मौतें होती हैं। क्योंकि लोगों को यह जानकारी नहीं है कि इसे सही रखने के लिए क्या करना चाहिए। डॉक्टर सौरभ सेठी ने ऐसी 4 चीजों के बारे में बताया हैं, जिनसे दूर रहना चाहिए। तभी आपका दिल हेल्दी रह सकता है और हार्ट अटैक जैसी स्थिति से बचाव हो सकता है।

स्ट्रेस
यह दिल की बीमारियों की प्रमुख वजहों में से एक है, जो हाई ब्लड प्रेशर और दूसरी समस्याएं पैदा कर सकता है। यह दिक्कतें धीरे–धीरे दिल को डैमेज कर सकती हैं।

फिजिकल इनएक्टिविटी
आजकल हम सभी का काम ज्यादातर बैठने का हो गया है। जिसके कारण फिजिकल इनएक्टिविटी कम या न के बराबर हो गई है। इसकी वजह से मोटापा और हाई कोलेस्ट्रॉल हो सकता है।

खराब स्लीप साइकिल
कम घंटे सोना या गलत सोने से दिल को रिकवर होने का वक्त नहीं मिलता है। इससे ब्लड वेसेल्स और दिल पर अधिक तनाव पड़ सकता है। जो धीरे–धीरे हार्ट डिजीज का कारण बन सकता है।

वायु प्रदूषण
अगर आप ऐसी जगह रहते हैं जहां वायु प्रदूषण बहुत ज्यादा है तो यह शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। यह बिल्कुल स्मोकिंग की तरह नुकसान कर सकता है। घर और कार में एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें।

2050 तक 25 या उससे ज्यादा उम्र के 59 प्रतिशत लोग हो जाएंगे ओवरवेट

मोटापा एक गंभीर हेल्थ कंडीशन है। खराब लाइफस्टाइल और खानपान इसकी प्रमुख वजह है। दुनिया का हर देश इस समस्या को कंट्रोल करने के लिए जरूरी कदम उठा रहा है। लेकिन फिर भी लैंसेट की रिपोर्ट में इसके काबू से बाहर होने की चेतावनी दी गई है। अध्ययन कहता है कि आने वाले समय में दुनियाभर में मौजूद 25 या उससे ज्यादा उम्र के आधे से ज्यादा लोग ओवरवेट या मोटे हो जाएंगे। रिपोर्ट में बताया कि 2050 तक जिन लोगों की उम्र 25 या उससे ज्यादा है, उनमें से 59 प्रतिशत लोग मोटापे के शिकार हो सकते हैं। वयस्कों के अलावा यह बच्चों, किशोरों और जवान लोगों को भी शिकार बनाएगा। जिसका मतलब है कि हमें इसे कंट्रोल करने के लिए और ठोस कदम उठाने चाहिए। अगर वर्तमान की बात की जाए तो लैंसेट की स्टडी के अनुसार 2.11 बिलियन 25 या उससे ज्यादा उम्र के लोगों का वजन ज्यादा है या फिर मोटापे के शिकार हैं। दूसरी तरफ 493 मिलियन बच्चे या 5 से 24 साल के लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं। जबकि 1990 में केवल 731 मिलियन वयस्क और 198 मिलियन बच्चे इस स्थिति में थे। रिपोर्ट जरूरी कदम उठाने की सलाह देती है और अगर ऐसा नहीं हुआ तो 2050 तक 3.8 बिलियन 25 या ज्यादा उम्र के लोग और 746 मिलियन बच्चे व 24 साल से कम उम्र के लोग ओवरवेट या मोटापे के शिकार हो जाएंगे। यह स्थिति काफी डरावनी हो सकती है।

अमेरिका में दूसरी सबसे बड़ी बीमारी है कैंसर

रिपोर्ट में यह भी बताया कि प्रमुख जोखिम कारकों (तंबाकू, शराब, अनहेल्दी डाइट, फिजिकल इनएक्टिविटी) से बचने से कैंसर के लगभग एक तिहाई मामलों को रोका जा सकता है। क्या आप जानते हैं आपके घर के किचन में ऐसे कई मसाले हैं, जो कैंसर को मात दे सकते हैं। जी हां, मसालों में भी कैंसर के खतरे से बचाने की ताकत होती है। आइए जानते हैं इनके बारे में। हल्दी में एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होता है, करक्यूमिन, जो कैंसर के खतरे से बचाने और कैंसर को रोकने में मदद कर सकता है। इसके बारे में कई स्टडीज में भी सामने आ चुका है। कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि दालचीनी के अर्क में कैंसर रोधी प्रभाव हो सकता है और यह ट्यूमर के विकास और फैलाव को कम करने में सहायक साबित हो सकता है। इसके अलावा लहसुन भी एक ऐसा मसाला है, जिसका सेवन कैंसर से बचाव कर सकता है। लेबोरेटरी रिसर्च से पता चलता है कि लहसुन में एलियम यौगिक एंटी कैंसर एक्टिविटी प्रदान करते हैं,लेकिन कैंसर के खतरे को कम करने वाले लहसुन के समर्थन में मानव अध्ययन में कमी है। एंटीसेप्टिक, एंटी–इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–डायबिटिक गुणों से भरपूर लौंग कई तरह की बीमारियों के इलाज और बचाव में इस्तेमाल किया जाता है।

डेयरी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल आपकी गट हेल्थ तो नहीं बिगाड़ रहा

दूध आपकी पाचन सेहत के लिए अच्छा माना जाता है क्योंकि यह पेट में गुड बैक्टीरिया की संख्या को बढ़ाता है तो वहीं चीज को आपके लिए हानिकारक माना जाता है क्योंकि वह कुछ अच्छे बैक्टीरिया की संख्या को कम कर सकता है। आइए जान लेते हैं अलग अलग डेयरी प्रोडक्ट्स का आपके पाचन तंत्र पर क्या प्रभाव पड़ता है।

क्या है यह स्टडी और क्यों पड़ी इस स्टडी की आवश्यकता?
यह स्टडी अगस्त 2013 से अप्रैल 2017 के बीच हुई और इसमें 34 लोगों के सैंपल लिए गए। इसे न्यूट्रिएंट्स जर्नल में पब्लिश किया गया और जिओ इसके सीनियर ऑथर थे। इस बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करना काफी आवश्यक था क्योंकि फर्मेंटेड फूड आपकी सेहत को किस तरह से प्रभावित कर सकते हैं यह जानना काफी जरूरी था। कई बार आज भी यह बहस होती है कि क्या दूध और चीज आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं? इन सब प्रश्नों के बारे में जानने के लिए यह स्टडी जरूरी थी।

दूध और चीज का शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है?
रिसर्चर्स ने इस बारे में जानने के लिए एक स्टडी की जिसमें उन्होंने यह पता किया कि इन दोनों ही उत्पादों में किस किस तरह के बैक्टीरिया होते हैं। इस स्टडी में पता चला कि जिन प्रतिभागियों ने दूध ज्यादा पिया और चीज कम खाया उनके शरीर में अल्फा माइक्रोबियल डायवर्सिटी ज्यादा देखने को मिली। इसका मतलब है आपके पेट के लिए अच्छे बैक्टीरिया की संख्या बढ़ी जिससे पाचन

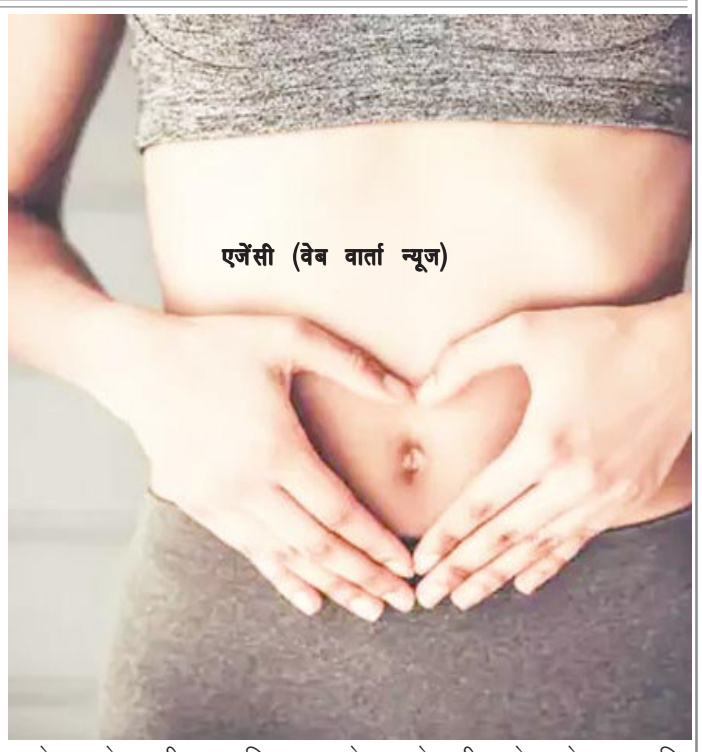

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सेहत को काफी लाभ मिला। इससे आपके शरीर को इन्फेक्शन आदि से लड़ने में काफी मदद मिलती है।

ज्यादा चीज खाने से शरीर को नुकसान क्यों होता है?
जिन लोगों ने चीज ज्यादा खाया उनमें यह देखने को मिला की उनके शरीर में अच्छे बैक्टीरिया की संख्या काफी कम थी। चीज का सेवन करने से मिलने वाले बैक्टीरिया ने टॉक्सिन उत्पादित किए जो आगे चल कर ट्यूमर भी बना सकते हैं। अच्छे बैक्टीरिया की संख्या कम होने की वजह से बहुत सारे पाचन से जुड़े रोग जैसे पेट आदि का रिस्क भी काफी बढ़ सकता है। हालांकि कई बार इनसे निकलने वाले बैक्टीराइड खाना पचाने में, न्यूट्रिएंट्स को एब्जॉर्ब करने में मदद भी कर सकते हैं।

दूध पीने से पेट की सेहत को कैसे लाभ मिल सकता है?
इस स्टडी में वैज्ञानिकों ने पाया की जिन लोगों ने चीज खाने की बजाए ज्यादा दूध पिया उनके पेट में ऐसे बैक्टीरिया की संख्या बढ़ गई जो पेट की सेहत को सुधारने में मदद कर रहे थे। यह इन्फ्लेमेशन कम करने में मदद कर रहे थे और पेट की सुरक्षा कर रहे थे। इनकी वजह से बहुत सारी पाचन से जुड़ी बीमारियों का रिस्क भी कम हो रहा था जैसे पेट और आंतों से जुड़ी बीमारियां। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में भी सहायक थे।

हर प्रकार के चीज का सेहत पर एक जैसा ही प्रभाव होता है?
चीज अलग अलग प्रकार का होता है और एक आम प्रश्न आपके दिमाग में जरूर आया होगा कि क्या हर प्रकार के चीज का आपकी सेहत पर एक जैसा प्रभाव होता है? अलग अलग तरह के चीज बनाने की प्रक्रिया अलग अलग तो होती है लेकिन सब चीज का सेवन करने से पेट की समस्या से परेशान लोगों को और अधिक नुकसान हो सकता है इसलिए आप को चीज का सेवन करने से परहेज ही करना चाहिए।

सुपरफूड को ढंग से नहीं पहचानते लोग, फेंक देते हैं कचरे में

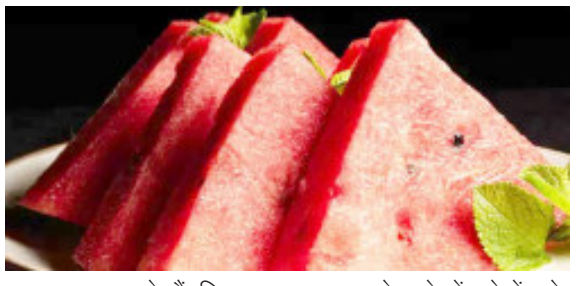

क्या आप जानते हैं कि कुछ सुपरफूड के बारे में लोगों को जानकारी नहीं है। गलती से इन्हें कचरे में फेंक दिया जाता है और काफी पोषण बेकार चला जाता है। न्यूट्रिशनिस्ट साक्षी लालवानी ने 5 चीजों को पौष्टिक बताया और कहा कि लोग इन्हें इस्तेमाल करे बिना फेंक देते हैं।

यह एंटीऑक्सीडेंट्स से भरे होते हैं और इन्हें स्मूदी में इस्तेमाल कर सकते हैं। इन्हें ड्राई करके सुखाकर पाउडर बना सकते हैं। यह फाइबर देते हैं, जो पाचन, इम्यूनिटी और इंफ्लामेशन सुधारने में मदद करता है। छिलकों के सफेद हिस्से में सिट्रुलिन होता है। यह ब्लड फ्लो बढ़ाने और मांसपेशियों की सूजन कम करने में मदद करता है। इसे जूस के अंदर ब्लेंड करके पी सकते हैं, जो हाइड्रेशन में मदद कर सकता है। इनके अंदर विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। इन्हें सलाद में डालकर खा सकते हैं। यह स्किन हेल्थ बेहतर बना सकते है और एजिंग के लक्षण के खिलाफ सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं। इनके अंदर फर्मेंटेशन हुआ होता है और यह पचाने में आसान होते हैं। यह गट बैक्टीरिया बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही ब्लड शुगर रेगुलेट कर सकते हैं। यह अंडे की तरह फेंटा जा सकता है, इसे एक्यूआ फाबा कहा जाता है।

शमी को लेकर क्या बोले मौलाना?

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा, अनिवार्य कर्तव्यों में से एक रोजा (उपवास) है। अगर कोई स्वस्थ पुरुष या महिला रोजा नहीं रखता है, तो वह एक बड़ा अपराधी होगा। भारत के एक प्रसिद्ध क्रिकेट व्यक्तित्व, मोहम्मद शमी ने मैच के दौरान पानी या कोई अन्य पेय पदार्थ लिया। लोग उन्हें देख रहे थे। अगर वह खेल रहे हैं, तो इसका मतलब है कि वह स्वस्थ हैं। ऐसी स्थिति में, उन्होंने रोजा नहीं रखा और पानी भी पी लिया। इससे लोगों में गलत संदेश जाता है। उन्होंने आगे कहा कि श्रोजाश न रखकर उन्होंने एक अपराध किया है। उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। शरीयत की नजर में, वह एक अपराधी है। उसे खुदा को जवाब देना होगा।

शमी के नेशनल ड्यूटी पर एनर्जी ड्रिंक पीने से भयंकर बवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी चौंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एनर्जी ड्रिंक पीते नजर आए। यह मैच रमजान के दौरान हुआ, जब दुनिया भर के मुसलमान रोजा रखते हैं। इस वजह से सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है और नफरत भरे कमेंट्स का सामना करना पड़ा। कुछ लोगों को यह पसंद नहीं आया कि शमी ने देश के लिए रोजा नहीं रखा। वहीं, कई लोगों ने उनके इस कदम की सराहना भी की। शमी ने इस मैच में तीन विकेट लिए और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। दरअसल, मोहम्मद शमी भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान एनर्जी ड्रिंक पीते दिखाई दिए। यह घटना रमजान के पवित्र महीने में हुई। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोग रोजा रखते हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर शमी को ट्रोल किया गया और उन पर कई नफरत भरे कमेंट्स किए गए। यह बात कुछ लोगों को रास नहीं आई। हालांकि, सभी कमेंट्स नफरत भरे नहीं थे। कई लोगों ने धर्म से ऊपर देश को रखने के लिए शमी की सराहना भी की। एक यूजर ने लिखा– भाई ने साबित किया देश हमेशा पहले, धर्म बाद में।

न्यूजीलैंड को हल्के में मत लेना रोहित ब्रिगेड

क्रिकेट

भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को होगा चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मैच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मैच भारत और न्यूजीलैंड के बीच 9 मार्च को खेला जाना है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल खेला जाएगा। इस मौजूदा टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने अभी तक 3 मैच खेले और तीनों में जीत हासिल की, जबकि न्यूजीलैंड की टीम ने 3 मैचों में से 2 में जीत और एक में हार का सामना किया। अब दोनों टीमों के बीच जबरदस्त जंग देखने को मिलने वाली है। इस मैच का फैंस को भी बेसब्री से इंतजार है, लेकिन इससे पहले आइए जानते हैं भारत–न्यूजीलैंड के बीच हेड–टू–हेड रिकॉर्ड के बारे में।

भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल मैच में हराकर इतिहास रचा। मैन इन ब्लू चैंपियंस ट्रॉफी के

फाइनल में लगातार तीसरी बार पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है, जबकि न्यूजीलैंड की टीम ने चौंपियंस ट्रॉफी के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर सेमीफाइनल मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ बनाया।

9 मार्च को भारत और न्यूजीलैंड के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल खेला जाना है। अगर बात करें दोनों टीमों के बीच हेड–टू–हेड रिकॉर्ड की तो दोनों टीमें आईसीसी नॉकआउट मैचों में चार बार एक–दूसरे से भिड़ी हैं, जिसमें ब्लैककैप्स ने 3 बार जीत हासिल की है, जबकि भारत को एक ही बार जीत नसीब हुई। भारत और न्यूजीलैंड की टीमों ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2000 के फाइनल में एक–दूसरे का सामना किया था, जिसमें भारत को हार मिली थी। इसके अलावा दोनों टीमें विश्व कप सेमीफाइनल 2019 और 2023 में एक दूसरे से भिड़ी थी। साल 2021 विश्व टेस्ट चौंपियनशिप में भी भारत–न्यूजीलैंड की टीमों के बीच मुकाबला खेला गया था।

भारत और न्यूजीलैंड की टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में दो बार एक दूसरे का सामना किया है, जिसमें दोनों टीमों ने 1–1 मैच में जीत हासिल की है। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के लीग स्टेज में टीम इंडिया ने कीवी टीम को 44 रन से मात दी थी। इससे पहले दोनों टीमें साल 2000 चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में एक दूसरे से भिड़ी थी, जिसमें न्यूजीलैंड ने 4 विकेट से जीत हासिल की थी।

रोहित सेना को फाइनल में इस भारतीय से ही सबसे बड़ा खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला है। एक और आईसीसी इवेंट और भारत एक और बार फाइनल में। ऐसा लगता है जैसे टीम इंडिया को फाइनल खेलने की आदत से लग गई हो। रोहित सेना अब तक चैंपियंस ट्रॉफी के इस एडिशन में एक भी मुकाबला नहीं हारी है। जो भी टीम उनके सामने आई है, भारत ने उसे धूल चटाई है। टीम इंडिया एक और आईसीसी टूर्नामेंट जीतने से सिर्फ एक कदम दूर खड़ा है।

न्यूजीलैंड को भी टीम इंडिया को हल्के में नहीं आकना चाहिए। कीवी टीम भी शानदार फॉर्म में चल रही है। वह इस पूरे टूर्नामेंट में

■ रचिन रविंद्र भारत के लिए सबसे बड़ी खतरे की घंटी

सिर्फ एक मैच भारत के सामने हारे हैं। लेकिन फाइनल में न्यूजीलैंड और भी ज्यादा प्लानिंग के साथ आएगा। वहीं न्यूजीलैंड की टीम में भारतीय मूल का एक ऐसा खिलाड़ी है जो चल गया तो करोड़ों हिंदुस्तानियों के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के सपने को मिट्टी में मिला देगा।

वेलिंगटन में जन्में 25 साल के भारतीय मूल के कीवी खिलाड़ी रचिन रविंद्र भारतीय टीम के लिए फाइनल में सबसे बड़ी खतरे की घंटी है। रविंद्र इस वक्त गजब की फॉर्म में चल रहे हैं। वह बल्ले से आग उगल रहे हैं जबकि गेंदबाजी से भी मैच में अपनी छाप छोड़ सकते हैं।

रचिन रविंद्र अब तक इस चैंपियंस ट्रॉफी में दो शतक लगा चुके हैं। वह इस टूर्नामेंट के हाइएस्ट रन स्कोरर भी हैं। रचिन ने 3 मैचों में 226 रन बनाए हैं। अगर भारत को फाइनल मैच में अपनी पकड़ बनानी है तो उन्हें रचिन रविंद्र को जल्द से जल्द आउट करना होगा। दूसरी ओर रचिन एक लेफ्ट आर्म स्पिनर हैं, जो दुबई के स्पिनिंग ट्रेक पर कारगर साबित हो सकते हैं। रोहित सेना को रचिन रविंद्र के खिलाफ खास प्लानिंग से उतरना होगा।

न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले रचिन रविंद्र के माता–पिता भारत में बेंगलुरु से हैं। उनके पिता का नाम रवि कृष्णामुर्ती है और मां का नाम दीपा कृष्णामुर्ती। रचिन के पिता 1997 में न्यूजीलैंड मूव कर गए थे। वह अब वेलिंगटन में हट हॉक्स नाम से एक क्लब चलाते हैं।

भारत ने कराया पाकिस्तान का करोड़ों का नुकसान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर फाइनल की रेस से बाहर कर दिया। इसके साथ ही यह भी तय हो गया कि टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला लाहौर के बजाए दुबई में खेला जाएगा। सुरक्षा कारणों से भारतीय टीम ने पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर दिया था। ऐसे में पहले ही तय हो गया था कि भारतीय टीम अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी। इसके अलावा यह भी तय था कि 1 सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा। साथ ही अगर भारतीय टीम फाइनल में पहुंचती है तो यह मैच दुबई में खेला जाएगा। अगर भारत फाइनल में नहीं पहुंचता तो यह मुकाबला लाहौर गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाना था। चैपियंस ट्रॉफी के फाइनल का वेन्यू बदलने से पाकिस्तान को तगड़ा नुकसान हो गया है।

न्यूज डायरी

मोहम्मद शमी ने की गेंद पर लार नियम को वापस लाने की खास अपील

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल से पहले आईसीसी से एक खास गुजारिश की है। शमी ने गेंद पर लार के इस्तेमाल की दोबारा मंजूरी को लेकर आईसीसी से अपील की। बता दें कि आईसीसी ने गेंद पर थूक लगाने पर पहले ही बैन लगाया हुआ है, जिससे तेज गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग कराने में मदद मिलती है, लेकिन अब गेंदबाज इसका इस्तेमाल नहीं कर पाते, जिससे उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। दरअसल, साल 2020 में कोरोना महामारी के बाद आईसीसी ने गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर रोक लगाई थी। हालांकि, गेंद को पसीने से चमकाने की इजाजत दी गई थी। गेंद पर थूक लगाने से संक्रमण के फैलने का खतरा बढ़ सकता है, इसलिए यह फैसला साल 2020 कोरोना महामारी के दौरान लागू किया गया था ।इसके बाद सितंबर 2022 में गेंद को चमकाने के लिए लार के उपयोग पर स्थायी तौर पर पाबंदी लगा दी गई। आईसीसी की आचार संहिता 41.3 में संशोधन के साथ ही गेंद चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल को अब पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है। इंटरनेशनल मैच के दौरान किसी प्लेयर की तरफ से गेंद चमकाने के लिए लार का इस्तेमाल अब बॉल टेम्परिंग की श्रेणी में ही गिना जाएगा। शमी ने कहा कि हम रिवर्स स्विंग की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमें गेंद पर थूक लगाने की इजाजत नहीं। मैं अपनी लय वापस पाने और टीम के लिए और अधिक योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं।

राजीव शुक्ला ने पाकिस्तानी मीडिया को दिया जोरदार जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान के पास है, लेकिन टीम इंडिया ने सुरक्षा कारणों के चलते पहले ही पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने मैच दुबई में खेल रही है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने पाकिस्तान के 3 दिवसीय दौरे के दौरान बीते दिन पाकिस्तानी मीडिया के सवालों का जवाब दिया। उनसे पूछा गया कि भारतीय टीम एक ही वेन्यू (दुबई) में अपने सभी मैच खेल रही है, जिससे उन्हें फायदा मिल रहा है। लोगों ने बहुत इतराज किया है कि बाकी टीम इधर–उधर सफर कर रही है और उनके साथ ये भेदभाव हो रहा है। इस सवाल का जवाब देते हुए ये कोई फेयर–अनफेयर की बात नहीं हैं। जब ये आईसीसी ने फैसला लिया था तभी ये क्लियर हो गया था कि भारतीय टीम सेंट्रेल मैच दुबई में होंगे। टीम इंडिया की टीम एक ही विकेट–पिच पर नहीं निर्भर रहती। टीम इंडिया अपने दम पर खेलती है, अपने खिलाड़ियों के दम पर खेलती है। पूछा कि लाहौर फाइनल में होता, 1996 की यादें ताजा होती, इस पर राजीव शुक्ला ने कहा कि अगर ऐसा चाहते थे तो ऑस्ट्रेलिया ने जीतना चाहिए था, लेकिन वो हार गए।

डेविड मिलर ने शतक जड़कर वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दूसरे सेमीफाइनल मैच में साउथ अफ्रीका के बैटर डेविड मिलर ने इतिहास रच दिया। वह चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने इस दौरान भारत के दिग्गज वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ा। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेविड मिलर ने गद्दाफी स्टेडियम में 67 गेंदों पर शतक बनाया। उन्होंने मैच की आखिरी गेंद पर दो रन लेकर अपनी सेंचुरी पूरी की। दरअसल, भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने साल 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ शतक जड़कर चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास का सबसे तेज सेंचुरी जड़ी। उन्होंने 77 गेंदों पर अपना शतक पूरा कर ये कीर्तिमान रचा था। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई टीम के विकेटकीपर बैटर जोश इंग्लिश ने उनके इस रिकॉर्ड की बराबरी साल 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ 77 गेंद पर शतक जड़कर की थी, लेकिन 5 मार्च 2025 को न्यूजीलैंड के खिलाफ साउथ अफ्रीका के बैटर डेविड मिलर ने वीरेंद्र सहवाग का 13 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ डाला। डेविड मिलर ने 67 गेंद का सामना करते हुए शानदार शतक जड़ा और चैंपियंस ट्रॉफी इतिहास में सबसे तेज सेंचुरी का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, शुक्रवार, 7 मार्च 2025 पेज 8

मुखबा पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने पीएम मोदी का किया जोरदार स्वागत।

हाथ मिलाकर, पीठ थपथपाकर सीएम धामी को पीएम की शाबाशी

■ राज्य सरकार के प्रयासों को प्रधानमंत्री ने सराहा, अहम फैसले लेने और लागू करने पर संतुष्टि जाहिर

प्रशंसा

संवाददाता

देहरादून। शीतकालीन यात्रा पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की शानदार बॉन्डिंग गुरुवार को भी दिखी। प्रधानमंत्री को जब जहां मौका मिला, वह मुख्यमंत्री को शाबासी देते, प्रोत्साहित करते हुए दिखाई दिए। भाषण खत्म कर मुख्यमंत्री जैसे ही प्रधानमंत्री के करीब पहुंचे, तो पहले तो उन्होंने गर्मजोशी से हाथ मिलाया। बाद में मुख्यमंत्री की पीठ भी थपथपा दी।

एक के बाद एक महत्वपूर्ण फैसले लेने और उन्हें अमल में लाने के मुख्यमंत्री के अंदाज को शीर्ष स्तर पर पसंद किया जा रहा है। चाहे समान नागरिक संहिता हो या राष्ट्रीय खेलों का आयोजन, प्रधानमंत्री के स्तर पर मुख्यमंत्री को भरपूर शाबासी मिली है। अब शीतकालीन यात्रा के लिए राज्य सरकार के प्रयास पर प्रधानमंत्री संतुष्ट नजर आ रहे हैं। अपने

संबोधन में उन्होंने इसका बार–बार जिक्र भी किया। उन्होंने शीतकालीन यात्रा के उत्तराखंड से जुड़े आर्थिक पहलू को रेखांकित करते हुए इसे अभिनव पहल बताया। साथ ही, इसके लिए मुख्यमंत्री और उनकी सरकार को धन्यवाद भी दिया।

अपने संबोधन की शुरुआत में मुख्यमंत्री के लिए प्रधानमंत्री ने जिन शब्दों का इस्तेमाल किया, वह गौर करने वाले रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री को छोटा भाई और ऊर्जावान मुख्यमंत्री कहते हुए संबोधित किया। उन्होंने अपनी केदारनाथ यात्रा का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि यह दशक उत्तराखंड का बन रहा है। इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार बढ़िया काम कर रही है।

हर्षिल में आयोजित शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देवभूमि आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत है। जीवन दायिनी मां गंगा के शीतकालीन गद्दी स्थल में आकर मैं धन्य हो गया हूं। शीतकालीन पर्यटन एक और बड़ा महत्वपूर्ण कदम हैं इसके माध्यम से उत्तराखंड के आर्थिक सामर्थ्य को साकार करने में मदद मिलेगी। हमें यहां के पर्यटन को बारह मासी बनाना ये उत्तराखण्ड के लिए बहुत जरूरी है। मैं चाहता हूं उत्तराखण्ड में कोई भी सीजन हो आफॅ सीजन न हो हर सीजन में टूरिज्म ऑन रहे। विंटर टूरिज्म में यहा ट्रैकिंग स्कीइग आदि एक्टिविटी का आयोजन किया जा सकता है। सर्दियों का समय बेहद खास होता है। इसी समय विशेष अनुष्ठान होते हैं। 365 दिन पर्यटन का विजन लोगों को दिव्य अनुभूतियों से जोड़ने का अवसर देगा। इससे यहां साल भर रोजगार के अवसर विकसित होंगे इसका बड़ा फायदा उत्तराखण्ड के लोगों को होगा। पिछले 10 वर्षो में पर्यटन का तेजी से विकास हुआ है।

उत्तराखण्ड के टिम्बरसेंण महादेव, माणा गांव में टूरिज्म इन्फ्रास्टेक्चर नये सिरे से विकसित हो रहा है। देश की नौजवान पीढ़ी से आग्रह करते हुए कहा कि सर्दियों में देश के बडे हिस्से में कोहरा होता सूर्यदेव के दर्शन नहीं होते हैं तब पहाडों में धूप का आनन्द मिलता है ये स्पेशल इवेंट बन सकता है और गढ़वाली में इसे क्या कहेंगे 'घाम तापो पर्यटन'। देश के कोने कोने से लोग उत्तराखण्ड जरूर आएं। कॉरपोरेट क्षेत्र के लोगों को मीटिंग करनी हो, सेमिनार करना हो, विंटर का समय हो इसके लिए देवभूमि से अच्छी जगह नहीं हो सकती है उत्तराखण्ड आएं, माई सेक्टर को एक्सप्लोर करें और यहां आकर योग और आयुर्वेद के जरिए रिचार्ज और रिएएनरजाएज भी हो सकते हैं।

कभी मुस्कराए, कभी विनम्रता से जोड़े हाथ

हर्षिल की जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को क्षेत्रवासियों के जबरदस्त उत्साह के दर्शन भी हुए। कार्यक्रम में कई बार मोदी–मोदी के नारे गूंजे। इस पर प्रधानमंत्री कई बार मुस्कराए। कई बार उन्होंने विनम्रता से हाथ जोड़ लिए। पारंपरिक परिधान और टोपी पहने प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कई आंचलिक शब्दों का इस्तेमाल भी किया।

संक्षिप्त समाचार

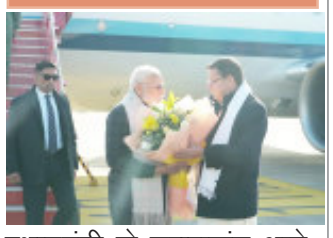

प्रधानमंत्री के उत्तराखंड आने पर सीएम ने किया स्वागत

संवाददाता देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देवभूमि उत्तराखंड आने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूरी और अन्य गणमान्य जनों ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री ने शीतकालीन साहसिक खेलों को दिया बढ़ावा

संवाददाता देहरादून। राज्य में शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा देने एवं गंगोत्री धाम के शीतकालीन गद्दी स्थल उत्तरकाशी के मुखवा गांव में मां गंगा के दर्शन करने आए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को हर्षिल, उत्तरकाशी में शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम के तहत 2 मोटर बाइक रैली एवं 2 ट्रैक रूट दलों को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री ने धार्मिक पर्यटन के साथ शीतकाल के समय उत्तराखंड में होने वाले साहसिक खेलों को भी बढ़ावा दिया। जिसके तहत उन्होंने नेलांग, जादुंग, सोनम एवं पीडीए घाटी के अद्भुत और अनछुए पर्यटन गंतव्यों के लिए साहसिक पर्यटन अभियानों का फ्लैग ऑफ किया। प्रधानमंत्री ने हर्षिल से पीडीए मोटर बाईक–एटीवी–आरटीवी रैली के 21 सदस्यों के दल एवं हर्षिल–जादुंग मोटर बाइक रैली के 18 सदस्यों के दल को फ्लैग ऑफ किया।

प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ एबीवीपी का प्रदर्शन

संवाददाता देहरादून। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गुरुवार को प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के विरोध में डीएम कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। इस दौरान स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग का ज्ञापन भी जिलाधिकारी को भेजा गया। एबीवीवी के कार्यकर्ता रेंजर्स ग्राउंड से रैली के रूप में जिलाधिकारी कार्यालय तक गए। जहां उन्होंने कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने मांग की कि निजी स्कूलों में प्रत्येक वर्ष होने वाली अत्यधिक फीस वृद्धि पर कार्रवाई हो। इसके अलावा आरटीई के छात्रों के साथ भेदभाव बंद हो।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।

प्रधानमंत्री का मिला साथ, दौड़ेगी यात्रा, बनेगी बात

उम्मीद

■शीतकालीन यात्रा तो चमकी ही, चार धाम यात्रा के लिए भी आधार किया तैयार

संवाददाता

देहरादून। देहरादून। मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखवा और खूबसूरत हर्षिल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक–एक संदेश के गहरे मायने हैं। देश–दुनिया तक इन शब्दों की अनुगूंज पहुंचना तय है। उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा को प्रधानमंत्री का जैसा साथ मिला, वह खास है। उन्होंने जिस अंदाज में उत्तराखंड की यात्रा का प्रमोशन किया है, वह अभूतपूर्व है। इसके बाद, उत्तराखंड के शीतकालीन पर्यटन के सरपट दौड़ने की पूरी उम्मीद की जा रही है।

प्रधानमंत्री का यह प्रवास उस वक्त हुआ है, जबकि करीब दो महीने की शीतकालीन यात्रा शेष है। इसके बाद 30 अप्रैल से चार धाम यात्रा का श्रीगणेश होना है। ऐसे में प्रधानमंत्री के एक प्रवास ने उत्तराखंड की दोनों यात्राओं के लिए बेहतर आधार तैयार कर दिया है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड का हर तरह से प्रमोशन किया।

प्रमोशन के लिए घाम तापो पर्यटन की बात हो, धर्माचार्यों और योगाचार्यों से शीतकाल में योग शिविर आयोजित करने की बात हो, कॉरपोरेट को सेमिनार का सुझाव हो, फिल्म निर्माताओं को फिल्मों की शूटिंग के लिए आह्वान हो या फिर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से अपील हो, सबने अपना अलग प्रभाव छोड़ा है।

उत्तराखंड के रजत जयंती वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शीतकालीन यात्रा का सबसे बड़ा प्रमोशन कर दिया है। उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा के साथ प्रधानमंत्री के जुड़ाव के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जो प्रयास किए थे, उसका सार्थक परिणाम सामने आया है। बहुत कम समय में उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा और पर्यटन देश–दुनिया की नजरों में आ गए हैं। प्रधानमंत्री एक बार फिर उत्तराखंड के लिए सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर साबित हुए हैं। केदारनाथ धाम का उदाहरण सामने हैं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रियता से श्रद्धालुओं के पहुंचने के नए रिकॉर्ड बने हैं।

मुखवा हर्षिल निहाल, पीएम–सीएम का आभार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुखवा आगमन से पूरा क्षेत्र निहाल है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह पहला अवसर है, जबकि कोई प्रधानमंत्री मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल पर पूजा–अर्चना के लिए पहुंचा हो। गंगोत्री मंदिर के सचिव सुरेश सेमवाल का कहना है–यह अवसर गौरवान्वित करने वाला है। तीर्थ पुरोहित व लोक कलाकार रजनीकांत सेमवाल कहते हैं–मुखवा का चयन करने के लिए पीएम व सीएम के प्रति हम आभारी हैं।

पटेलनगर में बस्तियों को बचाने के लिए किया प्रदर्शन

संवाददाता देहरादून। बस्ती बचाओ आंदोलन के तहत विभिन्न जन संगठनों ने पेटलनगर में लालपुल पर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने रिस्पना–बिंदाल पर एलिवेटेड सड़क की योजना को निरस्त करने और बस्तियों में रह रहे लोगों को मालिकाना हक देने की मांग की है। इसके लिए डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। गुरुवार को जन संगठनों से जुड़े लोग लालपुल पर एकत्र हुए। यहां सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि सरकार रिस्पना–बिंदाल नदी के ऊपर एलिवेटेड सड़क की योजना पर काम कर रही है, जो कि उचित नहीं है, इससे बस्तियों को खतरा होगा। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए इस योजना को निरस्त कर बस्ती के लोगों के साथ मालिकाना हक देने का जो वायदा किया है, उसे पूरा करे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बस्तियों को किसी तरह का नुकसान पहुंचाया जाता है तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सेंसोडाइन ने वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे कैंपेन की शुरुआत की

संवाददाता देहरादून। सेंसोडाइन जो हेलियोन का एक जानामाना ओरल केयर ब्रांड है, उसने 24 घंटे में सबसे ज्यादा ऑनलाइन डेंटल स्क्रीनिंग टेस्ट पूरे कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। महाकुंभ 2025 में आयोजित इस पहल में लगभग 27,000 से ज्यादा लोगों ने डेंटल चेकअप कराया। यह भारत में ओरल केयर के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक बहुत बड़ी कामयाब कोशिश रही। सेंसोडाइन ने अपने नए 20 रूपये के छोटे टूथपेस्ट पैक बाँटे, जो सेंसिटिविटी से सुरक्षा अब कम दाम में उपलब्ध कराएगा।